ज्ञानसरोवर-मा.आबू। 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर शिव ध्वजारोहण करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी,अति.मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़, राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. करुणा भाई,मल्टीमीडिया चीफ,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. डॉ. प्रताप मिड्ढा, निदेशक, ग्लोबल हॉस्पिटल,मा.आबू, राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई, ब्र.कु. हंसा बहन तथा अन्य वरिष्ठ ब्र.कु. भाई-बहनें।

प्युरिटी का फाउंडेशन हो मजबूत

गतांक से आगे...

प्युरिटी की पर्सनैलिटी में जो मैं सोच रही थी कि उसमें कौन-सी बात को अगर विशेष लिया जाये तो जैसे दुनिया में लोग बाह्यता में आते हैं, बाबा हमें आंतरिक ले जाते हैं, उसकी गहराई में ले जाते हैं कि उसका चलन कैसा होगा, दूसरा उसका व्यवहार कैसा होगा।

पर्सनैलिटी में ये चारों बातें काउंट होती हैं - एक उनकी सोच कैसी होगी, दूसरा उनका चेहरा कैसा होगा, तीसरा व्यवहार कैसा होगा और चलन कैसी होगी। प्युरिटी के पर्सनैलिटी वालों की। तो जब हम कहते हैं कि उसकी सोच कैसी होगी यानी दूसरे शब्द में हम कहें कि उसका मन कैसा होगा! प्युरिटी की पर्सनैलिटी वाले का मन कैसा होगा। शुभ भावना, शुभ कामना उसके अन्दर इतनी भरी होगी। हर आत्मा के प्रति प्रेम प्रवाहित, निर्मल प्रेम जिसको कहा जाये पवित्र प्रेम, कोई अपेक्षा नहीं जिसमें। तभी तो शुभ भावना, शुभ कामना भी प्रवाहित हो सकती है। जब हर आत्मा को हम आत्मिक भाव से देखते हैं तभी वो निर्मल प्रेम, वो शुभ भावना, शुभ कामना और वो सोच के अन्दर इतनी शुद्धता, सकारात्मकता बनी रहेगी। क्योंकि सकारात्मकता भी प्युरिटी के आधार से आती है। अगर अन्दर प्युरिटी ही न हो, एक बार बाबा ने कहा था कि बच्चे व्यर्थ संकल्प आना ये भी एक इम्प्यूरिटी है। तो कितना शुद्ध और सकारात्मक संकल्प मन के अन्दर उत्पन्न होता हो, इतना खज़ाना हो। सकारात्मकता का, पॉज़िटिव एनर्जी का। जब पॉज़िटिव एनर्जी से मन भरा होगा तब उस मन के अन्दर से हर आत्मा के प्रति शुभ भावना, शुभ कामना निर्मल प्रेम की सरिता स्वतः ही बहने लगती है, जहाँ कोई अपेक्षा नहीं, जहाँ कोई प्रकार की चाहना न हो, जहाँ

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

कोई प्रकार का भय न हो। लेकिन जिसको बाबा ने बहुत सुन्दर शब्द ज्ञान मार्ग में दिया हम बच्चों को, बेहद। बेहद की फीलिंग। ये मेरे अपने हैं, ये मेरे अपने नहीं हैं। ये मेरे-तेरे का भाव उसमें नहीं आता है। मन के संकल्पों में जहाँ मैं और मेरापन ही न हो वहीं वो शुद्धता बनी रहती है। वो निर्मल पवित्र प्यार बना रहता है। और इतनी सकारात्मक ऊर्जा होगी और यही सकारात्मक ऊर्जा हमें कॉन्फिडेंस देती है।

आज व्यक्ति का कॉन्फिडेंस कब खत्म होता है जब निगेटिविटी होती है, अन्दर झूठ होता है। अगर अन्दर सच्चाई है तो कॉन्फिडेंस अपने आप होता है लेकिन अन्दर में अगर सच्चाई नहीं है तो कॉन्फिडेंस को ब्रेक करता है। झूठ बोलने के बाद भी कॉन्फिडेंस बना रहे ये बहुत बड़ी बात है। कई बार कई लोग हमें कहते हैं कि आप हमारे लिए इतना झूठ बोल देंगे? मैं ये कहती कि कितना पैसा मिलेगा उसका? क्यों, क्योंकि एक बार झूठ बोलना माना मुझे जीवन भर वो याद रखना पड़ेगा कि कहीं उस झूठ के विरोधाभास में मैं न जाऊं। नहीं तो लोग क्या बोलेंगे कि पिछली बार तो आपने ऐसा बोला था और अब ऐसा बोला।

तो मुझे ज़िंदगी भर पहली बार जो झूठ बोला वो याद रखना पड़ेगा। ताकि मैं खुद को उस वाक्य से खुद को खंडन न करूँ। नहीं तो कितनों का विश्वास हम तोड़ देंगे। बाबा ने कितना सरल उपाय हमें बताया कि बच्चे सच्चाई-सफाई रखो। सच बोलो ताकि ज़िंदगी में कभी याद ही न रखना पड़े। जो बात जैसी है वैसी बोल दो तो फ्री हो गए ना! चेहरा सदा प्रसन्न रहेगा। अगर हमने दस लोगों के सामने झूठ बोला तो हमारा योग लगेगा क्या? कभी नहीं लग सकता। इसीलिए बाबा ने हमें इतना सहजता से कह दिया कि बच्चे, सच्चे दिल पर साहेब राज़ी। भगवान को भी राज़ी करने का यही तरीका है। अगर सच बोल देने से उस समय थोड़ा कुछ हुआ भी बाद में जैसे ही पता चलेगा तो होगा कि हाँ मेरे सामने सच बोला तो कम से कम उस व्यक्ति का विश्वास तो नहीं टूटेगा, ये भी प्युरिटी है। - क्रमशः

इंदौर-ज्ञानशिखर(म.प्र.)। 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम 'सर्व धर्म समागम' का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए इस्कॉन मंदिर के प्रेसिडेंट स्वामी महामन दास जी, ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी, कैथोलिक चर्च के प्रमुख फादर बिशप चाको, गुरुसिंह सभा के अध्यक्ष मंजीत सिंह भाटिया, पूर्व महापौर डॉ. उमाशशि शर्मा, ब्र.कु. जयंती बहन, ब्र.कु. शशि बहन, ब्र.कु. कुसुम बहन, ब्र.कु. अम्बिका बहन, ब्र.कु. अनिता बहन, ब्र.कु. उषा बहन तथा शहर के अन्य गणमान्य लोग।

अम्बिकापुर-छ.ग.। स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग राज्यमंत्री टी.एस. सिंह देव को उनके निवास स्थान पर ज्ञानचर्चा तथा गुलदस्ता एवं ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् शिवरात्रि कार्यक्रम का ईश्वरीय निमंत्रण देते हुए सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी व ब्र.कु. ममता बहन।

वाराणसी-उ.प्र.। रण विजय सिंह, एडीएम, एडमिनिस्ट्रेशन, वाराणसी को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सरोज बहन। प्रो. कमलेश तिवारी, रमेश सिंह तथा अन्य गणमान्य लोग भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेयबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NO: - 30826907041
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on E-Mail -omshanti-media.acct@bkivv.org or
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087